डिजिटल लेबर चौक के सीइओ चंद्रशेखर मंडल सम्मानित

पटना . डिजिटल लेबर चौक के संस्थापक चंद्रशेखर मंडल को प्रतिष्ठित टैली के एमएसएमइ ऑनर्स कार्यक्रम में एमएसएमइ हीरो के रूप में सम्मानित किया गया है. डिजिटल लेबर चौक एक ऑनलाइन पोर्टल है, जिसके माध्यम से दैनिक वेतनभोगी श्रमिकों को निर्माण कंपनियों से जोड़ा जाता है. इस स्टार्टअप को चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान, पटना के बिजनेस इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन फाउंडेशन में इनक्यूबेट किया गया है.

Prabhat Khabar !
Page No - 03 !
Date - 28-06-23

स्टार्टअप डिजिटल लेबर चौक के सीईओ चन्द्रशेखर मंडल को एमएसएमई हीरो सम्मान

पटना | स्टार्टअप डिजिटल लेबर चौक के सीईओ चन्द्रशेखर मंडल को टैली के एमएसएमई ऑनर्स प्रोग्राम में एमएसएमई हीरो के रूप में सम्मानित किया गया है। इनका स्टार्टअप दैनिक वेतन भोगी श्रमिकों को निर्माण कंपनियों से जोड़ता है। दरभंगा की स्टार्टअप कंपनी डिजिटल लेबर चौक को वर्कफोर्स कनेक्टिविटी के क्षेत्र में गेम चेंजर माना जाता है। इस स्टार्टअप को चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना के तत्वावधान में चल रहे स्टार्टअप इन्क्यूबेशन सेंटर, सीआईएमपी बिजनेस इन्क्यूबेशन एंड इनोवेशन फाउंडेशन में इन्क्यूबेट किया गया है। यह श्रमिकों को निर्माण कंपनियों के साथ जोड़ने, नौकरी के अवसर प्रदान करने और श्रमिकों को ऑनलाइन भर्ती की सुविधा प्रदान करता है। सीईओ चन्द्रशेखर मंडल को राइजिंग एमएसएमई स्टार प्रमाणपत्र दिया गया।सीआईएमपी-बीआईआईएफ के सीईओ कुमोद कुमार व सीआईएमपी के निदेशक डॉ. राणा सिंह ने चन्द्रशेखर मंडल को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है।

Danik Bhaskar ! Page No - 04 !
Date - 28-06-2023 !

स्टार्टअप के माध्यम से महिलाओं को स्वावलंबी बनाने पर जोर

पटना (एसएनबी)। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय और एनसीटीई के दिशानिर्देशों के अनुसार आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर देश में मनाए जाने वाले आजादी के अमृत महोत्सव के मौके पर दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) के शिक्षक शिक्षा विभाग (डीओटीई) की ओर से मंगलवार को स्टार्टअप पर आधारित महिला उद्यमिता पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस मौके पर पटना के युवा उद्यमी रितिका ने मुख्य वक्ता के रूप में आत्मनिर्भर भारत की थीम के तहत महिला उद्यमी स्टार्टअप के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने व्याख्यान की शुरुआत में क्राफ्ट एज नामक अपने स्टार्ट-अप के बारे में बताया और एक उद्यमी के रूप में उनके सामने आने वाली बाधाओं और चुनौतियों पर चर्चा की। उन्होंने विस्तार से बताया कि किस प्रकार स्टार्ट-अप महिला सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। मिस रितिका ने कहा कि महिला उद्यमियों को न केवल आर्थिक बल्कि सामाजिक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि एक महिला उद्यमी के रूप में अपना कॅरियर शुरू करने से पहले उन्हें अपने परिवार को समझाना पड़ा। हालांकि, क्राफ्ट एज की स्थापना के बाद न केवल उन्होंने अपनी आर्थिक कठिनाइयों से अपने को उबारा, बल्कि अन्य महिलाओं को भी रोजगार देने में सक्षम हो गईं।

Rashtriya Sahara ! Page No - 03 ! Date - 28-06-2023 !